अनुसंधान निष्कर्षों के विस्तार हेतु नेटवर्क का सशक्तिकरण पर एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

आज स्थानीय उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान एवं आई.सी.एफ.आर.ई. (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्) के अन्य संस्थानों के चुनिन्दा तकनीकी/प्रौद्योगिकियों के विस्तार हेतु ''एक दिवसीय कार्यशाला'' आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में वन विभाग के अधिकारी, एन.जी.ओ. एवं अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में मध्यप्रदेश के वन क्षेत्र में वानिकी प्रसार हेतु उपयोगी चुनिन्दा तकनीकी/प्रौद्योगिकियों पर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गयी। इन चुनिन्दा तकनीकियों एवं अनुसंधान निष्कर्षों को आम जनता तक पहुँचाने हेतु नेटवर्क के सशक्तिकरण तथा उनके प्रमाणिकरण के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी।

कार्यशाला का उद्घाटन डॉ0 यू. प्रकाशम, निदेशक, उ.व.अ.सं. एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। डॉ0 एस.ए. अन्सारी, समूह समन्वयक (अनुसंधान) ने कार्यशाला के बारे में सभा को अवगत कराया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाल के संयोजक डॉ0 एन. कुलकर्णी ने दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ0 एस.एन. मिश्रा ने किया।

इस कार्यशाला में डॉ0 ए0के0 पाण्डेय, डॉ0 एन. रायचौधरी, डॉ0 नितिन कुलकर्णी, डॉ0 आर.के. वर्मा, श्रीमति नीलू सिंग, डॉ0 एम. कुन्डू, डॉ0 योगेश्वर मिश्रा, श्रीमति ननीता बेरी, डॉ0 ए.के. भौमिक एवं अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकगण पूरे दिन कार्यशाला में स्थानीय एवं प्रदेश के अन्य क्षेत्रों से उपस्थित वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, विभिन्न अशासकीय संगठनों के पदाधिकारियों को आई.सी.एफ.आर.ई. द्वारा विकसित तकनीकियों एवं अन्य विकसित अनुसंधान निष्कर्षों की जानकारी देते हुए नेटवर्क के सशक्तिकरण पर चर्चा की।

कार्यशाला में निम्नलिखित तकनीकी/अनुसंधान निष्कर्षों पर चर्चा की गयीं –

- ✓ अर्जुन के पेंड़ से छाल निकालने की विनाश विहीन विदोहन तकनीक।
- ✓ वन रोपणियों में श्वेत इल्ली का समन्वित प्रबंधन।
- ✓ लघु वनोपजों को सुखाने की ड्रम ड्रायर तकनीक।
- ✓ सागौन के वृक्षारोपण में कीटों का जैविक नियंत्रण।
- ✓ सागौन के साथ हल्दी की खेती।
- ✓ बेल आधारित कीटनाशक का विकास।
- ✓ टीश्यू कल्चर द्वारा सर्पगंधा का उत्पादन।
- ✓ जैविक खाद (वैम, एजोस्पाईटिलम) का प्रयोग कर सागौन के उन्नत ''रूट सुट'' तैयार करना।
- ✓ हरित – भूमि हेतु वृक्ष प्रजातियों का चयन।
- ✓ वृक्षारोपण हेतु विकसित विभिन्न सुलभ संरचनाओं का प्रदर्शन।
- ✓ मेटाराइजियम आधारित कीटनाशक द्वारा वन कीटों का प्रबंधन।
- ✓ बांस के संरक्षण हेतु विकसित उपकरण।
- ✓ लेन्टाना से हस्त निर्मित कागज का निर्माण।